भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2395

उत्तर देने की तारीख 15 दिसंबर, 2025

सोमवार, 24 अग्रहायण, 1947 (शक)

कौशल विकास केंद्र

2395. श्री राजमोहन उन्नीथन:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने लक्षित कौशल विकास केन्द्रों और डिजिटल उद्यमिता कार्यक्रमों के लिए कासरगोड जैसे सीमावर्ती जिलों की पहचान की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 के अंतर्गत रोजगार में नई भूमिकाएं, प्रशिक्षण केंद्र और शिक्षुता समझौते प्रस्तावित किए जा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) वर्ष 2025-26 के लिए प्रशिक्षण, प्रमाणन और रोजगार में नियोजन के वर्ष-वार लक्ष्य क्या हैं?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 एक मांग-आधारित योजना है जिसका उद्देश्य देश भर के युवाओं को, जिनमें सीमावर्ती जिले भी शामिल हैं, अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करना और पूर्व शिक्षण मान्यता (आरपीएल) के माध्यम से कौशलोन्नयन और पुनर्कौशलीकरण प्रदान करना है। इस योजना में विशेष परियोजनाओं का प्रावधान है जिनका लक्ष्य आकांक्षी जिलों, वामपंथी उग्रवाद प्रभावित (एलडब्ल्यूई), आदिवासी जिलों आदि जैसे अल्प-प्रतिनिधित्व वाले सामाजिक समूहों और भौगोलिक क्षेत्रों को शामिल करना सुनिश्चित करना है। पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत, सीमावर्ती जिलों/गांवों के समग्र विकास के लिए गृह मंत्रालय के वाइब्रेंट-विलेज कार्यक्रम (वीवीपी) का समर्थन करने हेतु लक्षित कौशल विकास पहल की जा रही हैं।

कासरगोड जिले में पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत दिए गए प्रशिक्षण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	जॉब रोल के नाम	प्रशिक्षित/अभिविन्यस्त
1	सहायक तकनीशियन - स्मार्टफोन हार्डवेयर	89
2	सहायक योग प्रशिक्षक	21
3	ब्राइडल मेकअप आर्टिस्ट	27
4	केमिस्ट - रिटेल फार्मेसी	23
5	घरेलू डेटा एंट्री ऑपरेटर	40

6	इलेक्ट्रॉनिक्स मशीन रखरखाव कार्यकारी	140
7	फ्रंट ऑफिस शिक्षु	30
8	सामान्य कार्य सहायक	29
9	हेयर ड्रेसर और स्टाइलिस्ट	179
10	स्वास्थ्य देखभाल स्वच्छता और हाउसकीपिंग सहायक	90
11	सिलाई मशीन ऑपरेटर - बुनाई	266
12	5जी तकनीशियन - सक्रिय नेटवर्क इंस्टॉलेशन	100
13	टेलीकॉम तकनीशियन - आईओटी उपकरण/सिस्टम	150
14	प्रशिक्षु - हेयर ड्रेसिंग	57
	योग	**1,241**

(ख) पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत, बाजार की मांग के आधार पर नए रोजगार के अवसर शुरू किए जाते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), सेमीकंडक्टर्स, ड्रोन प्रौद्योगिकी, सौर ऊर्जा और 3डी प्रिंटिंग जैसे नए युग और भविष्योन्मुखी रोजगार के अवसरों के लिए प्रशिक्षण को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया गया है, जो बाजार की बदलती मांग के अनुरूप है। राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) ने 600 से अधिक भविष्योन्मुखी और नए युग के रोजगार के अवसरों को मंजूरी दी है। पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत, दिनांक 31 अक्टूबर 2025 तक, इन क्षेत्रों में 123 रोजगार के अवसरों के लिए कुल 5,60,936 उम्मीदवारों का नामांकन किया गया है।

चूंकि पीएमकेवीवाई 4.0 एक मांग-आधारित योजना है, इसलिए राज्य सरकारों/उद्योग/उद्योग संघों/प्रतिष्ठित संस्थानों इत्यादि से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाते हैं। मंत्रालय पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत प्रशिक्षित उम्मीदवारों को शिक्षुता के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करता है। प्रमाणन प्राप्त करने के बाद, स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) के माध्यम से, उम्मीदवारों को नौकरी के साथ-साथ शिक्षुता के अवसर भी मिलते हैं।

(ग) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय मांग-आधारित योजना के रूप में पीएमकेवीवाई 4.0 को लागू कर रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में, दिनांक 31.10.2025 तक, 1,30,496 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित/अभिविन्यस्त किया गया है, जबकि योजना के तहत 2,80,618 उम्मीदवारों (पिछले वर्ष के प्रशिक्षित उम्मीदवारों को शामिल करते हुए) को प्रमाणित किया गया है।

पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत, प्रशिक्षित उम्मीदवारों को उनके विविध करियर अवसर चुनने के लिए सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है और उन्हें ऑन-जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी) में शामिल उद्योग से संबंधित कौशल पाठ्यक्रमों के माध्यम से इसके लिए उपयुक्त रूप से तैयार किया जाता है।

*****